

पंछीड़ा लाल लीला छ कमाल लीलाधर की भजन लिरिक्स



पंछीड़ा लाल लीला,
छ कमाल लीलाधर की,
मरजा जो पाछो नहीं आवे,
अजब रीत उण घर की।bd।

संत महात्मा घना होया जो,
खबर लेत अंबर की,
मरवा खातिर बेबी पकड़े,
सड़क बिना डंबर की।bd।

जो भी मरिया फिरया नहीं पाछा,
करगा ओट नजर की,
देवी देवता नहीं आया तो,
कांइ ताकत नर की।bd।

रावण पकड़ काल ने धरदियो,
खिड़की कारा गर की,
वोही काल उड़ाकर लेगो,
देही दसकंदर की।bd।

नरसिंह दास पकड़ पंछीड़ा,
शरण राधिका वर की,
चिंता फिकर छोड़ दे प्यारे,
आशा छोड़ जिगर की।bd।

पंछीड़ा लाल लीला,
छ कमाल लीलाधर की,
मरजा जो पाछो नहीं आवे,
अजब रीत उण घर की।bd।

प्रेषक – रमेश निरंजन

98291 20430

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>